

124

स्वयं पुनर्विलोकन 657-188/2017
न्यायालय मान0राजस्व मण्डल, म0प्र0ग्वालियर
(निग - 1248) - 188/16

जी.पी.नायक, एड. प्रकरण क्रमांक - पीबीआर/2016 निगरानी
घास आज दि. 20-4-16 को

परतुत

20-4-16
बलके ऑफ कोर्ट

राजेश पुत्र स्व0 सोबरन सिंह

2- अमृत लाल पुत्र स्व0 सोबरन सिंह

3- रामहेत पुत्र स्व0 सोबरन सिंह

4- श्रीमती रामदुलारी पत्नि स्व0 सोबरन सिंह

सभी कृषकगण ग्राम नीम चन्दोहा

तहसील व जिला ग्वालियर, मध्य प्रदेश ----आवेदकगण

विरुद्ध

मध्य प्रदेश शासन द्वारा कलेक्टर ग्वालियर ----अनावेदक

शासन ग्वालियर द्वारा
कलेक्टर ग्वालियर द्वारा

(निगरानी अंतर्गत धारा 50, मध्य प्रदेश भू राजस्व
संहिता, 1959 - अपर आयुक्त, ग्वालियर संभाग, ग्वालियर
द्वारा प्रकरण क्रमांक 334/2014-15 अपील में पारित
आदेश दिनांक 05 अप्रैल, 2016 के विरुद्ध)

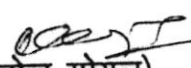
कृ०पृ०३०--२

राजेश

राजेश

न्यायालय राजस्व मण्डल, मध्यप्रदेश-ग्वालियर

अनुवृत्ति आदेश पृष्ठ

प्रकरण क्रमांक स्थान तथा दिनांक	स्वमेव पुनर्विलोकन 657-पीबीआर/2017 कार्यवाही तथा आदेश	जिला ग्वालियर पक्षकारों एवं अभिभाषकों आदि के हस्ताक्षर
26-7-2017	<p>प्रकरण में अनावेदक के अभिभाषक की ओर से इस प्रकरण के स्वमेव पुनर्विलोकन तौर पर प्रचलनशीलता पर आपत्ति ली गई है । उनके द्वारा तर्क दिया गया कि प्रकरण में अभिलेख पर ऐसे कोई आधार उपलब्ध नहीं है जो कि प्रकरण को पुनर्विलोकन में लेने के लिये आवश्यक होते हैं । सदस्य के द्वारा प्रारंभिक सुनवाई के दौरान अंतिम आदेश पारित किया गया है जो कि उनके अधिकार क्षेत्र में आता है । उक्त आदेश को किसी पक्ष के द्वारा मण्डल के समक्ष चुनौती नहीं दी गई है, अतः यह स्वमेव पुनर्विलोकन प्रचलन योग्य नहीं है । शासकीय अभिभाषक द्वारा तर्क में कोई नया बिन्दु प्रस्तुत नहीं किया गया है ।</p> <p>2/ प्रकरण में उपलब्ध अभिलेख का अवलोकन किया गया तथा अनावेदक के विद्वान अभिभाषक द्वारा प्रस्तुत तर्कों पर विचार किया गया । अनावेदक के अभिभाषक के इस तर्क में बल है कि मण्डल के समक्ष किसी भी पक्ष के द्वारा मण्डल के आदेश दिनांक 21-4-2016 को चुनौती नहीं दी गई है । ऐसी स्थिति में गुणदोषों पर मण्डल के समक्ष संहिता की धारा 51 में प्रकरण में स्वमेव पुनर्विलोकन में लेने के लिये व्यवहार प्रक्रिया संहिता के आदेश 47 नियम 1 में बताये गये आधार उपलब्ध होने की जो शर्त रखी गई है वह इस प्रकरण में पूरी नहीं होती है । ऐसी स्थिति में यह स्वमेव पुनर्विलोकन प्रचलनशील नहीं होने से समाप्त किया जाता है ।</p>	<p style="text-align: right;">  (मनोज गोयल) अध्यक्ष </p>